Regarding Bengali speaking labourers in Odisha

डॉ. संबित पात्रा (पुरी) : महोदय, आज ओडिशा के सारे सांसद यहां बैठे हुए हैं । मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारी एक माननीय सांसद बहन जो टीएमसी से है, उन्होंने आज शून्य काल में ओडिशा सरकार के ऊपर जो प्रश्न उठाया कि ओडिशा की सरकार ओडिशा से बांग्ला बोलने वाले श्रमिकों को बांग्लादेशी कहकर ओडिशा से बाहर खदेड़ रही है । यह तथ्यों पर आधारित नहीं है । यह झूठ है, यह मिथ्या है ।

*This is absolutely untrue. My state Odisha is the land of Lord Jagannatha. Anga ,Banga, kalinga has a common past. We never disrespect any other state or language.*****

ओडिशा अनादिकाल से सभी राज्यों को साथ में लेकर चलता है । बांग्ला बोलने वाले हमारे बंधु हैं और जो बंगाली बोलते हैं, महाप्रभु जगन्नाथ जी उनके भी इष्ट देव हैं । हम उनको बहुत मानते हैं । मगर एक बात मैं यहां स्पष्ट कर देना चाहूंगा कि जहां सभी भाषा-भाषी लोगों के लिए ओडिशा और ओडिशा अस्मिता के हृदय में स्थान है, वहीं ओडिशा की सरकार में और ओडिशा के किसी भी विधायक और सांसद के हृदय में घुसपेठियों के लिए, बांग्लादेशियों के लिए और रोहिंग्याओं को ओडिशा में स्थान मिले, इसके लिए कोई स्थान नहीं है ।

महोदय, मैं टीएमसी की सांसद महोदया से कहना चाहूंगा कि यहां देश का संविधान सबसे ऊंचा है । आज उन्होंने कहा कि जो * (व्यवधान)

महोदय, आज ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री यहां नहीं है, क्योंकि वह इस सदन के सदस्य नहीं है । उनके लिए जिस प्रकार की भाषा का यहां प्रयोग किया गया, उसके लिए मैं आपके संरक्षण की डिमांड करता हूं । मैं कहना चाहता हूं कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास और सबका प्रयास में विश्वास करते हैं । हाँ, बंगाली हमारे भाई हैं, ओडिशा अस्मिता हमारी पहचान है, मगर बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं का ओडिशा में कोई स्थान नहीं है ।

माननीय सभापति **:** आपने जिस बात का जिक्र किया**,** उसका हम रेकॉर्ड चेक करेंगे और आगे कार्रवाई करेंगे ।